राम भजले रे जरा ये बीते जिंदगानी भजन लिरिक्स



राम भजले रे जरा,
ये बीते जिंदगानी,
राम नाम सांचा है,
भजले नाम प्राणी।bd।

वादा प्रभु से,
करके जो आया,
जग में आकर,
तू बिसराया,
प्रभु की अमानत,
पड़ेंगी लौटानी,
राम भजलें रे जरा,
ये बीते जिंदगानी।bd।

ऐसा मौका,
फिर न मिलेगा,
आज है कल,
ये भी न रहेगा,
राम नाम की,
फेरो माला,
यम से पड़ेगा,
फिर न पाला,
यम की मार,
पड़ेंगी न खानी,
राम भजलें रे जरा,
ये बीते जिंदगानी।bd।

कलियुग केवल,
नाम अधारा,
सुमरि सुमरि नर,
उतरहिं पारा,
वैद शास्त्रों की 'शिव',
अमर है यह वाणी,
राम भजलें रे जरा,
ये बीते जिंदगानी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

नाम प्रभु का,
जो न भजेंगे,
तो भव से हम,
कैसे तरेंगे,
मुश्किल से,
मानुष तन पाया,
लेकिन फिर भी,
नाम न ध्याया,
राम भजलें रे जरा,
ये बीते जिंदगानी।bd।

राम भजले रे जरा,
ये बीते जिंदगानी,
राम नाम सांचा है,
भजले नाम प्राणी।bd।

गायक – अनूप मिश्रा।
लेखक / प्रेषक – शिवनारायण वर्मा।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com